This question paper contains 15 printed pages]

आपका अनुक्रमांक .....

8659

B.A. (Programme)/I AS

HINDI LANGUAGE (A)—Paper I

हिंदी भाषा (क)—प्रश्नपत्र I

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी : प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक SOL/NCWEB/Non-Formal Cell के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में कम होंगे।

निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं। किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15+15

(क) वेद के उपरान्त रामायण और महाभारत साहित्य के बड़े-बड़े अंग समझे गए। रामायण के समय भारतीय सभ्यता का प्रमोच्छ्वास-परिप्लावित नूतन यौवन था; किन्तु

P.T.O.

महाभारत के समय भारतीय सभ्यता क्षतिग्रस्त हो वार्द्धक्य भाव को पहुँच गई थी। रामायण के प्रधान पुरुष रघुकुलावतन्स श्रीरामचन्द्र थे और महाभारत के प्रधान पुरुष बुद्धि की तीक्ष्णता के रूप, कूट-युद्धविशारद, भगवान वासुदेव श्रीकृष्ण या उनके हाथ की कठपुतली युधिष्ठिर थे। रामायण के समय से भारत के समय में लोगों के हृदयगत भाव में कितना अन्तर हो गया था कि रामायण में दो प्रतिद्वन्द्वी भाई इस बात के लिए विवाद कर रहे थे कि यह समस्त राज्य और राज्यसिंहासन हमारा नहीं है वह सब तुम्हारे ही हाथ में रहे, अन्त में रामचन्द्र ने भरत को विवाद में पराभूत कर, समस्त साम्राज्य उनके हस्तगत कर आनंद-निर्भर-चित्त हो सपत्नीक बनवासी हुए। वहीं महाभारत में दो दायाद भाई इस बात के लिए कलह करने पर सन्नद्ध हुए कि जितने में सुई का अग्रभाग ढक जाए इतनी पृथ्वी

भी बिना युद्ध के हम न देंगे। "सूच्यग्रं नैव दास्यामि बिना युद्धेन केशव।"

(*i*) लेखक के अनुसार रामायण व महाभारत के प्रधान पुरुषों के नाम उल्लेख करते हुए बताइए कि दोनों कालों में भारतीय सभ्यता में क्या अन्तर था ?

(*ii*) रामायण में दो भाई किस बात पर विवाद कर रहे थे तथा भरत को विवाद में परास्त कर राम ने क्या किया ? अनुच्छेद के आधार पर उत्तर दीजिए।

(*iii*) भगवान वासुदेव कृष्ण की किन विशेषताओं का उल्लेख प्रस्तुत अनुच्छेद में किया गया है ?

(*iv*) "सूच्यग्रं नैव दास्यामि बिना युद्धेन केशव।" पंक्ति का अर्थ स्पष्ट करते हुए बताइए कि यह किस युग के भाइयों के हृदयगत भाव थे।

(ग) प्रस्तुत निबन्ध के लेखक व निबन्धकार का नाम लिखिए।

(ख) युगों से व्यक्ति को सुखी रखने और उसके जीवन को अधिक पूर्ण तथा सुगम बनाने के लिए मानव-जाति प्रकृति से निरन्तर युद्ध करती आ रही है। उसने अपनी संगठित शक्ति से पर्वतों के हृदय बेध डाले, प्रपातों की गति बाँधी, समुद्रों को पार किया और आकाश में मार्ग बनाया। मनुष्य यदि मनुष्य को सहयोग देना स्वीकार न करता तो न मानवता की ऐसी अद्‌भुत कहानी लिखी जाती और न मनुष्य अपनी आदिम अवस्था से आगे बढ़ सकता। मनुष्य जाति संगठन में ही जीवित रहेगी, जब तक यह सत्य है तब तक समाज की स्थिति भी सुदृढ़ रहेगी। सारे मनुष्य एक ही स्थान में नहीं रह सकते अत: उनके समूहों के विकासोन्मुख संगठन पर सारी जाति की उन्नति का निर्भर होना

स्वाभाविक ही है। इसके अतिरिक्त मनुष्य प्रकृति से ही सामाजिक प्राणी है, अपने स्वभाव में आमूल परिवर्तन बिना किए उसका समाज से पृथक होना न संभव है और न ही वांछनीय।

(*i*) प्रस्तुत गद्यांश के निबन्ध व निबन्धकार का नाम लिखिए।

(*ii*) लेखक के अनुसार मानव जाति प्रकृति से निरन्तर युद्ध क्यों करती आ रही है ?

(*iii*) मनुष्य यदि मनुष्य को सहयोग देना स्वीकार न करता तो क्या होता ? प्रस्तुत अनुच्छेद के आधार पर उत्तर दीजिए।

(*iv*) मनुष्य आदिम अवस्था से आगे कैसे बढ़ पाया है ?

(*v*) "मनुष्य प्रकृति से ही सामाजिक प्राणी है।" लेखक का मंतव्य स्पष्ट कीजिए।

(ग) भारतेन्दु युग के पत्रकारों ने अंग्रेज़ी राज की भारत-संबंधी नीति की ही कड़ी आलोचना न की थी, उन्होंने साम्राज्यवादियों की अन्तर्राष्ट्रीय युद्धनीति का सही रूप जनता के सामने पेश करके संसार के तमाम साम्राज्य-विरोधियों का भाईचारा मजबूत किया था। चीन में पश्चिमी फौजों की लूट का वर्णन करते हुए 'गदाधरसिंह' ने अपनी पुस्तक 'चीन में तेरह मास' में लिखा था, "किसी चीज की माँग होने पर तनिक भी विलम्ब होने से असहाय चीनी को सशरीर अर्पण होना पड़ता था। अवश्य चीज को चाहने वाला केवल चीज ही लेता था और लोथ को दयापूर्वक कूकुरों के भोजनार्थ दान कर देता था। कहा भी तो है, 'दान में दया देय, तीन लोक जीत लेय'।" इस तरह साम्राज्यवादी लूट का क्रूर चित्र दिखाकर हिंदी लेखकों ने तमाम

राज्य विरोधी शक्तियों के साथ सक्रिय सहानुभूति का रास्ता अपनाया। उन्होंने साम्राज्यवाद से तटस्थ रहना, उससे 'नॉनअलाइनमेंट' के रास्ते पर चलना हमें नहीं सिखाया। जब तक संसार में साम्राज्यवाद कायम है तब तक एक ही सही नीति हो सकती है—उसका सक्रिय विरोध, उसके विरोधियों से सक्रिय-से-सक्रिय सहानुभूति।

(*i*) प्रस्तुत अनुच्छेद के निबन्धकार व निबन्ध का नाम लिखिए।

(*ii*) भारतेन्दुयुगीन पत्रकारों ने अपना सहयोग किस रूप में दिया ?

(*iii*) गदाधरसिंह की पुस्तक का नाम देते हुए लिखिए कि उसमें पश्चिमी फौजों की लूट का चित्रण किस प्रकार किया गया है।

(iv) "लेखक के अनुसार हिंदी लेखकों द्वारा साम्राज्य-विरोधी लूट का दृश्य दिखाने के पीछे क्या उद्देश्य था ?

(v) साम्राज्यवाद के विरुद्ध सही नीति क्या हो सकती है ? स्पष्ट कीजिए।

2. प्रश्नों के आधार पर निम्नलिखित अनुच्छेद का विश्लेषण कीजिए :

अनेक सदियों से पुरुष और नारी के सुदृढ़ रूप में स्थापित संबंध जो पुरुष के नारी पर अधिकार और वर्चस्व पर आधारित हैं, उन संबंधों में परिवर्तन मानव समाज के सबसे कठिन परिवर्तनों में है। इसी बात को रेखांकित करते हुए यूरोप के प्रसिद्ध विचारक हैवेलोक एलिस ने कहा था कि यूरोप महान क्रान्तियों की प्रयोग भूमि रहा है, जहाँ औद्योगिक क्रान्ति, वैज्ञानिक और तकनीकी क्रान्ति, लोकतांत्रिक राजनीतिक क्रान्ति

आदि अनेक क्रान्तियाँ हुई हैं। लेकिन पुरुष के वर्चस्व पर आधारित परिवार और परिवार के बाहरी क्षेत्रों में फ्रांस की महान क्रान्ति के सदृश पुरुष और नारी के संबंधों में आमूल परिवर्तन लाने वाली क्रान्ति होना अभी शेष है। वास्तव में ऐसी क्रान्ति होना आज भी विश्व मानवता के लिए एक चुनौती है और भारत में तो अभी इसका आरम्भ ही है और इस दिशा में भारत को अभी एक लम्बी यात्रा तय करनी है।

(*i*) प्रस्तुत गद्यांश का मूल भाव लिखिए। 4

(*ii*) हैवेलोक एलिस के अनुसार यूरोप में कौन-कौनसी क्रान्तियाँ हुईं ? 2

(*iii*) "ऐसी क्रान्ति होना आज भी विश्व मानवता के लिए चुनौती है।" लेखक का मन्तव्य स्पष्ट कीजिए। 4

3. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×3=15

(*i*) मानव समाज का सबसे कठिन परिवर्तन क्या है, और क्यों ?

(बदलता भारतीय समाज : बहुआयामी दृष्टि)

(*ii*) प्राचीनकाल में कुल धर्म की स्थापना किस लक्ष्य से हुई ? (समाज और व्यक्ति)

(*iii*) 'घरनी घर से निकली कि घर उजड़ा' कथन को स्पष्ट कीजिए। (मित्र से संलाप)

(*iv*) 'शक्ति के केन्द्रीकरण' से क्या अभिप्राय है ? स्पष्ट कीजिए। (शक्ति का केन्द्रीकरण)

(*v*) मृणाल पांडे ने अपने लेख 'मित्र से संलाप' में किस विषय की चर्चा की है ?

(*vi*) विज्ञान और धर्म के भेद को स्पष्ट कीजिए।

(विज्ञान और धर्म)

(*vii*) नन्हकूसिंह की किन्हीं **तीन** चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। (गुण्डा)

4. ''सूरज का सातवाँ घोड़ा'' के आधार पर किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×3=15

(*i*) प्रेम को मानवीय भावना क्यों माना गया है ?

(*ii*) ''सूरज का सातवाँ घोड़ा'' नाम की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

(*iii*) सती के शोषण पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(*iv*) 'घोड़े की नाल' में वर्णित घटनाओं का उल्लेख कीजिए।

(*v*) 'घर-जमाई' के आधार पर महेसर दलाल की किन्हीं **तीन** चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(*vi*) 'नमक की अदायगी' में लेखक ने किस विषय को केन्द्र में रखा है ?

(*vii*) 'नमक की अदायगी' में धर्म की लहर का वर्णन किस प्रकार किया गया है ?

अथवा

'यात्राएँ' के आधार पर किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(*i*) 'झेलम से हरिन बांगा तक' के आधार पर सीमा सुरक्षा बल के जवानों की किन्हीं दो विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(*ii*) "कुशीनारा : तथागत के अन्तिम दिन" में तथागत के परिनिर्वाण से शोकाकुल वृद्ध मल्ल ने क्या कहा ?

(*iii*) चाँदी की खानों से लेखक का पहली बार साक्षात्कार कहाँ हुआ था ?

(*iv*) छोटी विलायत के नाम से कौनसा शहर जाना जाता था और क्यों ?

(v) 'सपनों के शिखर तक' के आधार पर कुमाऊँ की किन्हीं **दो** विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

(vi) केरल के किस प्रदेश को 'सुलतान की बैटरी' कहा जाता है, और क्यों ?

(vii) 'हिन्द महासागर का मोती' में लेखक ने गन्ने की खेती के विकास में किसका योगदान माना है ?

5. किसी **एक** विषय पर टिप्पणी **अथवा** परिचर्चा लिखिए : 10

(i) राजभाषा हिंदी;

(ii) पत्रकारिता व्यवसाय **अथवा** मिशन;

(iii) विकास **बनाम** घोटाले।

6. निम्नलिखित कथांश का नाट्य रूपांतरण कीजिए : 5

"रामविलास भैया, गाड़ी रोकिए न," केतकी उतावली होकर कह उठी। गाड़ी रोककर रामविलास पीछे देखने लगा।

"मैं ज़रा गाँव में जाऊँगी," वह झट से उतरकर सड़क

से जुड़ी पगडंडी से उतर गई। पीछे-पीछे रामविलास मुस्कुराता चला। पहला ही घर तो सबुजनी दीदी का है। सामने खजूर की चटाई पर बैठी थी सबुजनी।

"के है ?" मोतियाबिन्द उतरी आँखों पर तलहथी देकर देखने लगी वह।

"दीदी मुझको नहीं पहचाना ?"

"दीदी, केतकी है," पीछे से आए रामविलास ने कहा, "जरा भी नहीं बदली।"

केतकी के मन में तूफान उठ खड़ा हुआ। उन्हीं से मिलने तो वह आई थी, इन्हीं के लिए मन व्याकुल था।

7. (क) एकभाषी व द्विभाषी कोश का अन्तर स्पष्ट करते हुए एकभाषी कोश की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 5

(ख) हिंदी शब्दकोश में प्रविष्टि के अनुसार निम्नलिखित शब्दों को वर्णानुसार लिखिए : 5

विचार, नवीन, स्वार्थ, संस्कृति, अपरूप, उपयोगिता, संघर्ष, शासक, समाज़, आत्मा।

8. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए : 5

(*i*) मैदान में खेल रहा हूँ मैं।

(*ii*) खरगोश को काटकर गाजर खिलाओ।

(*iii*) महात्मा गाँधी का देश सदा आभारी रहेगा।

(*iv*) केवल यहाँ पुस्तकें रही हैं।

(*v*) यहाँ पर केवल एक लड़का लड़की बैठी है।